सीएसआईआर-सीरी और स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन

सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी) ने 22 सितंबर, 2021 को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के साथ अनुसंधान एवं विकास और अकादमिक सहयोग के लिए महत्वपूर्ण समझौता किया है। इस समझौता ज्ञापन (MoU) पर सीएसआईआर-सीरी की ओर से संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया और स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर की ओर से विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर (डॉ) रक्षपाल सिह ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर उनके साथ कृषि महाविद्यालय, सादुलपुर, चांदगोठी के डीन डॉ ए आर नकवी और डॉ. बलबीर सिह उपस्थित थे। संस्थान की ओर से डॉ अभिजीत कर्माकर, मुख्य वैज्ञानिक एवं प्रमुख, एसडीपी; डॉ सुचंदन पाल, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, पीएमई; श्री प्रमोद तँवर, प्रधान वैज्ञानिक तथा डॉ विजय चटर्जी, वैज्ञानिक सहित अन्य सहकर्मी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन पिलानी स्थित राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला सीएसआईआर-सीरी देश के किसानों को प्रिसीज़न कृषि सहित उन्नत और आधुनिक कृषि में तकनीकी समाधानों के माध्यम से लाभान्वित करने की दिशा में प्रयासरत है।

समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान करते हुए प्रोफेसर रक्षपाल सिह, कुलपति, एसकेएनएयू, बीकानेर एवं डॉ पी सी पंचारिया,निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

प्रोफेसर (डॉ) रक्षपाल सिह तथा डॉ पी सी पंचारिया ने वैज्ञानिक व अकादमिक सहयोग के लिए अपेक्षित इनपुट प्रदान करने पर सहमति व्यक्त करते हुए समझौता ज्ञापन के माध्यम से कृषि और इलेक्ट्रॉनिक्स के संयोग पर प्रसन्नता व्यक्त की। प्रोफेसर सिह और डॉ पंचारिया ने दोनों संस्थानों के बीच संभावित शोध एवं विकास कार्यक्रमों पर चर्चा की। प्रोफेसर सिह ने अपने पिलानी दौरे के दौरान सीएसआईआर-सीरी द्वारा प्रिसीजन कृषि के लिए किए जा रहे कार्यकलापों का अवलोकन भी किया। उन्होंने डॉ पंचारिया की ऊर्जा तथा उनके मार्गदर्शन में सीरी के वैज्ञानिकों द्वारा की जा रही शोध गतिविधियों की प्रशंसा की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह समझौता ज्ञापन न केवल दोनों संगठनों में अकादमिक अपितु तकनीकी सहयोग का मार्ग भी प्रशस्त करेगा।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते हुए प्रो रक्षपाल सिह एवं डॉ पी सी पंचारिया

इस अवसर पर सीएसआईआर-सीरी के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने कहा कि उन्नत इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों की मदद एवं आधुनिक तकनीक के माध्यम से शेखावाटी और बीकानेर सहित देश के अन्य राज्यों में विभिन्न फसलों के उत्पादन में वृद्धि सहित भंडारण आदि के क्षेत्र में कार्य करने की असीम संभावनाएँ हैं और संस्थान के वैज्ञानिक इस दिशा में प्रयासरत हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व में, सीएसआईआर-सीरी ने चाय, चीनी और पानी आधारित प्रौद्योगिकियों के लिए विभिन्न कृषि इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोसेस कंट्रोल सिस्टम विकसित किए हैं। समझौता ज्ञापन के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर कृषि के लिए विशेषज्ञ सलाह और अनुसंधान इनपुट प्रदान करेगा, जबकि सीएसआईआर-सीरी इन प्रणालियों के विकास तथा उनके क्रियान्वयन के लिए तकनीकी समाधान विकसित करेगा। उन्होंने बताया कि संस्थान अपने परिसर में प्रिसीज़न कृषि प्रायोगिक स्टेशन विकसित कर रहा है और हमने इसके

लिए यहाँ अनेक पौधे भी लगाए हैं। इस प्रायोगिक स्टेशन में सिचाई, तापमान, कृत्रिम रोशनी आदि से संबंधित विभिन्न मानदंडों के तहत इन पौधों की वृद्धि पर अध्ययन किया जाएगा।

समझौता ज्ञापन (एमओयू) तथा प्रिसीजन कृषि
<u>प्रायोगिक स्टेशन परिदर्शन के कुछ चित्र</u>

दैनिक भास्कर
शेखावाटी भास्कर

सीरी और स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय के बीच समझौता

पिलानी. समझौते का हस्तांतरण करते अधिकारी।

भास्कर न्यूज | पिलानी

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीरी) ने स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के साथ अनुसंधान एवं विकास और अकादमिक सहयोग के लिए गुरुवार को एक समझौता किया। संस्थान के निदेशक डॉ. पी सी पंचारिया और श्री केशवानंद राजस्थान कृषि विवि के कुलपति डॉ रक्षपाल सिंह ने इस पर हस्ताक्षर किए हैं। डॉ. सिंह के साथ कृषि महाविद्यालय, सादुलपुर, चांदगोठी के डीन डॉ. एआर नकवी और डॉ. बलबीर सिंह उपस्थित थे। इस अवसर पर सीरी की ओर से भी डॉ अभिजीत कर्माकर, डॉ सुचंदन पाल, प्रमोद तंवर तथा डॉ विजय चटर्जी सहित अन्य सहकर्मी उपस्थित थे। डॉ रक्षपाल सिंह ने सीएसआईआर-सीरी की ओर से प्रिसीजन कृषि के लिए किए जा रहे कार्यकलापों का अवलोकन भी किया। सीरी के निदेशक डॉ पंचारिया ने कहा कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से शेखावाटी और बीकानेर सहित देश के अन्य राज्यों में विभिन्न फसलों के उत्पादन में वृद्धि सहित भंडारण आदि के क्षेत्र में कार्य करने की असीम संभावनाएं है। उन्होंने बताया कि पूर्व में सीरी ने चाय, चीनी और पानी आधारित प्रौद्योगिकियों के लिए विभिन्न कृषि इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोसेस कंट्रोल सिस्टम विकसित किए हैं।

राजस्थान पत्रिका
झुंझुनूं पत्रिका

समझौते से अनुसंधान आदान प्रदान को मिलेगा बल

पिलानी. समझौते का हस्तांतरण करते अधिकारी।

पिलानी. केन्द्रीय इलेक्ट्रोनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान सीरी तथा स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के मध्य अनुसंधान एवं विकास तथा अकादमिक सहयोग के लिए समझौता हुआ है। समझौते पर सीरी संस्थान निदेशक डा. पीसी पंचारिया एवं स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्व विद्यालय बीकानेर के कुलपति डा. रक्षपाल सिंह ने हस्ताक्षर किए हैं। संस्थान के जनसम्पर्क अधिकारी रमेश बोरा ने बताया कि समझौते के अनुसार दोनो संस्थानों के शीर्ष अधिकारियों ने वैज्ञानिक व अकादमिक सहयोग के लिए अपेक्षित इनपुट प्रदान करने पर सहमति प्रदान की है। उन्होंने बताया कि हाल ही में केशवानन्द विश्व विद्यालय के कुलपति ने सीरी संस्थान का दौरा किया था। दौरे में कृषि केन्द्र चांदगोठी के डीन डा. एआर नकवी, डा बलबीर सिंह भी शामिल थे।उन्होंने बताया कि वैज्ञानिकों की टीम ने शेखावाटी अंचल में कृषि विस्तार की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की।